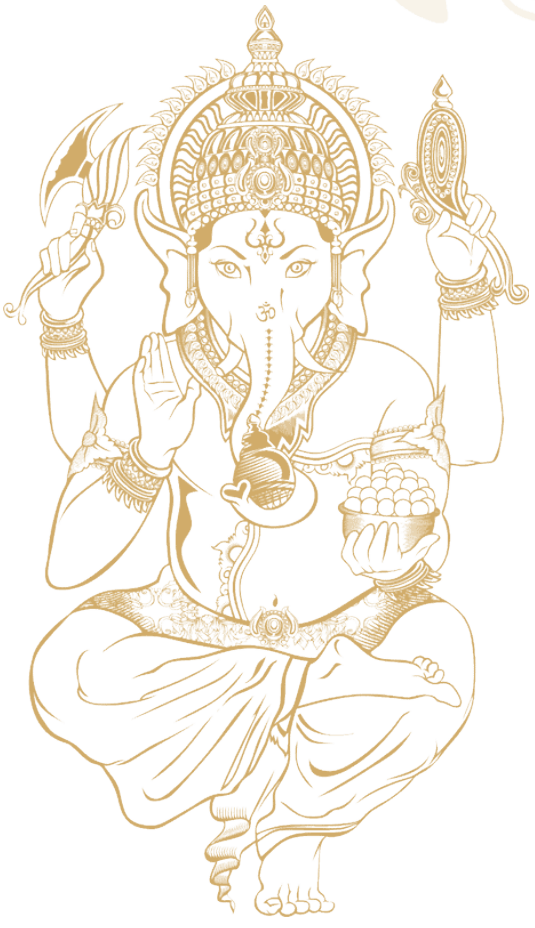

Mr.

15 Apr 2026

08:29 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121945003

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/04/2026**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**20:29:00 घंटे**
इष्ट	36:22:07 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:07:52 घंटे
वेलान्तर	-00:00:05 घंटे
साम्पातिक काल	09:43:00 घंटे
सूर्योदय	05:56:09 घंटे
सूर्यास्त	18:46:46 घंटे
दिनमान	12:50:37 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	01:25:36 मेष
लग्न के अंश	24:10:59 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	ऐन्द्र
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दू-दूधेश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	24:10:59	307:15:14	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
सूर्य			मेष	01:25:36	00:58:46	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			मीन	06:18:51	14:03:06	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
मंगल		अ	मीन	10:17:21	00:46:33	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	शुक्र	मित्र राशि
बुध			मीन	06:27:33	01:25:17	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	नीच राशि
गुरु			मिथु	22:48:11	00:06:17	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	25:21:20	01:13:20	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
शनि		अ	मीन	13:07:11	00:07:15	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	13:51:59	00:02:56	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	13:51:59	00:02:56	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	05:13:33	00:03:02	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप			मीन	08:30:53	00:02:08	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
प्लूटो			मक	11:10:52	00:00:35	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
दशम भाव			कर्क	29:11:47	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:33

लग्न-चलित

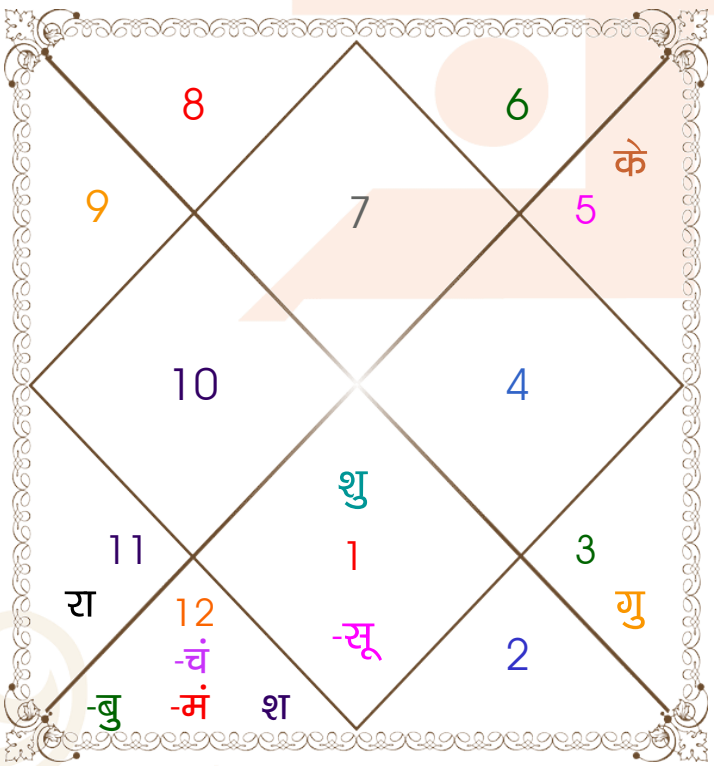

चन्द्र कुंडली

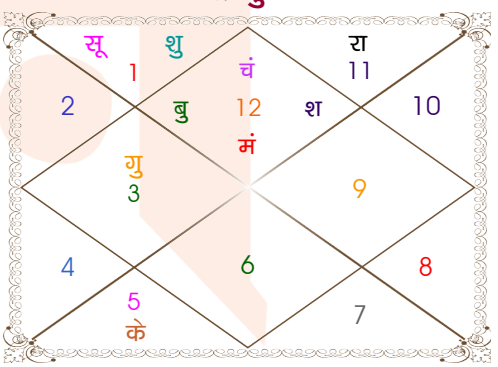

नवमांश कुंडली

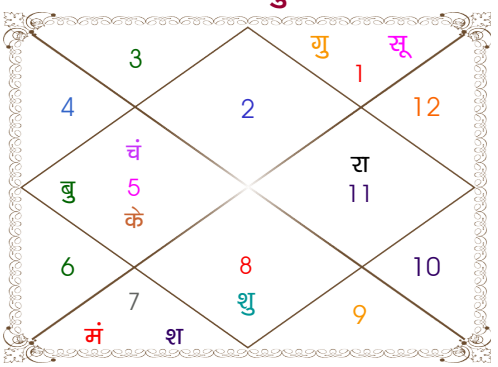

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 14 वर्ष 9 मास 0 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
15/04/2026		15/01/2041		15/01/2058		15/01/2065		15/01/2085	
15/01/2041		15/01/2058		15/01/2065		15/01/2085		15/01/2091	
	15/04/2026	बुध	13/06/2043	केतु	13/06/2058	शुक्र	16/05/2068	सूर्य	04/05/2085
बुध	28/09/2027	केतु	10/06/2044	शुक्र	13/08/2059	सूर्य	16/05/2069	चंद्र	03/11/2085
केतु	06/11/2028	शुक्र	10/04/2047	सूर्य	19/12/2059	चंद्र	15/01/2071	मंगल	11/03/2086
शुक्र	06/01/2032	सूर्य	15/02/2048	चंद्र	19/07/2060	मंगल	16/03/2072	राहु	02/02/2087
सूर्य	18/12/2032	चंद्र	16/07/2049	मंगल	15/12/2060	राहु	17/03/2075	गुरु	22/11/2087
चंद्र	20/07/2034	मंगल	14/07/2050	राहु	03/01/2062	गुरु	15/11/2077	शनि	03/11/2088
मंगल	28/08/2035	राहु	30/01/2053	गुरु	10/12/2062	शनि	15/01/2081	बुध	09/09/2089
राहु	04/07/2038	गुरु	08/05/2055	शनि	18/01/2064	बुध	16/11/2083	केतु	15/01/2090
गुरु	15/01/2041	शनि	15/01/2058	बुध	15/01/2065	केतु	15/01/2085	शुक्र	15/01/2091

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
15/01/2091		16/01/2101		16/01/2108		16/01/2126		16/01/2142	
16/01/2101		16/01/2108		16/01/2126		16/01/2142		00/00/0000	
चंद्र	16/11/2091	मंगल	14/06/2101	राहु	29/09/2110	गुरु	05/03/2128	शनि	19/01/2145
मंगल	16/06/2092	राहु	02/07/2102	गुरु	21/02/2113	शनि	16/09/2130	बुध	16/04/2146
राहु	16/12/2093	गुरु	08/06/2103	शनि	29/12/2115	बुध	22/12/2132		00/00/0000
गुरु	17/04/2095	शनि	17/07/2104	बुध	18/07/2118	केतु	28/11/2133		00/00/0000
शनि	15/11/2096	बुध	14/07/2105	केतु	05/08/2119	शुक्र	29/07/2136		00/00/0000
बुध	16/04/2098	केतु	10/12/2105	शुक्र	05/08/2122	सूर्य	17/05/2137		00/00/0000
केतु	15/11/2098	शुक्र	10/02/2107	सूर्य	30/06/2123	चंद्र	16/09/2138		00/00/0000
शुक्र	17/07/2100	सूर्य	17/06/2107	चंद्र	28/12/2124	मंगल	23/08/2139		00/00/0000
सूर्य	16/01/2101	चंद्र	16/01/2108	मंगल	16/01/2126	राहु	16/01/2142		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 14 वर्ष 8 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।